Content- 2

अनुक्रम

प्रथम अध्याय **हिन्दी कवि सम्मेलनों की मंचीय कविता का प्रारंभिक प्रारूप** **1**

विकास क्रम

मंचीय हिन्दी–काव्य की भाषा और शैली

संस्कृति–संरक्षण

बौद्धिक – मनोरंजन में योगदान

राष्ट्र – चिन्तन की दुरुहता

राजनीतिज्ञों द्वारा उपेक्षा

आत्म – प्रर्वचना

कवि सम्मेलनों की व्यवस्था और प्रबंधन

आयोजन का स्थान

द्वितीय अध्याय **हिन्दी मंचीय काव्य का वैशिष्टय वाचन एवं गायन की विविध शैलियाँ, वर्ण एवं कथ्य** **31**

हिन्दी मंचीय काव्य का वैशिष्ट्य्

गायन एवम् वाचन की विविध शैलियाँ

* लोक रागों के आधार पर ''सस्वर गायन''
* जनवादी सभा या समारोह में नारेबाजी के रूप में आह्वान गीतों का मंचीय पाठ
* ओजपूर्ण वीर–रस की कविताओं का वाचन
* चतुष्पदी कविताओं का ओजस्वी वाचन
* गजल विधा पर लिखी कविताओं का वाचन
* चतुष्पदी तथा परंपरित छंदों का वाचन
* नवगीतों की नव विधा में गायन
* हास्य और व्यंग्य प्रस्तुति

तृतीय अध्याय **हिन्दी के मंचीय काव्य और प्रदेश के विभिन्न अंचलों में संयोजित कवि सम्मेलनों के स्वरूप एवं प्रस्तुति का समीक्षात्मक अध्ययन** **46**

प्रादेशिक प्रस्तुतियों की भिन्नता

महाराष्ट्र में हिन्दी काव्य गोष्ठियाँ

गीत चाँदनी

टेपा सम्मेलन

बैंगलुरु में कवि सम्मेलन

चतुर्थ अध्याय **हिन्दी मंचीय प्रमुख कवियों के विशिष्ट प्रदान एवं आधुनिक हिन्दी मंचीय कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विवेचना** **155**

पंचम अध्याय **मंचीय हिन्दी काव्य की भाव संपदा, संवेदना एवं संप्रेषण के स्तर तथा कला संचेतना के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन** **375**

हिन्दी मंचीय कवियों की भावसम्पदा

रसो के आधार पर मंचीय कवियों के वर्ग

* वीर रस के कवि
* हास्य रस के कवि
* अन्य रस के कवि

षष्ठ अध्याय **मूल्यांकन एवं उपसंहार** **391**

परिशिष्ट